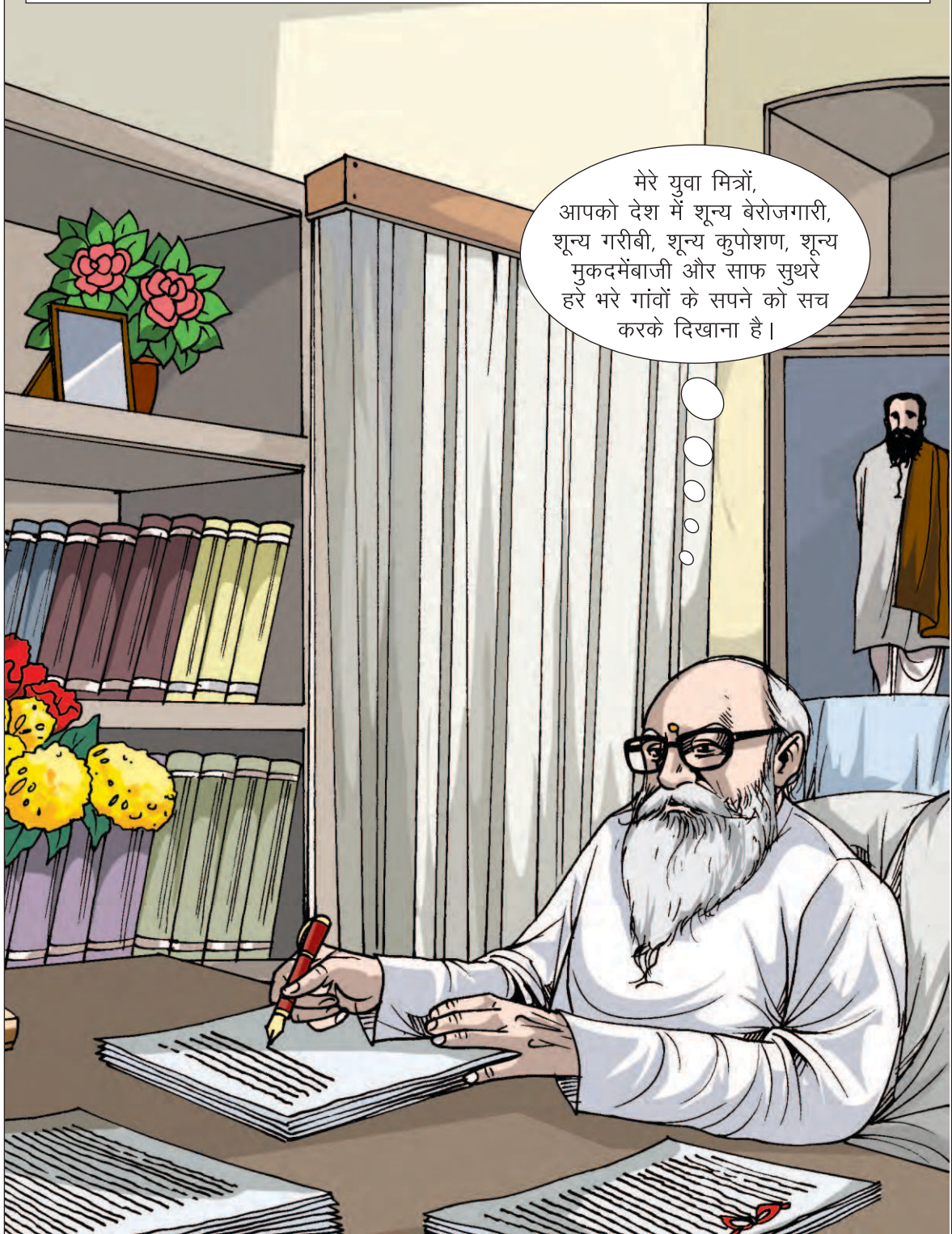


नानाजी युवाओं को देश के युगानुकूल विकास का उपकरण मानते थे। उन्होंने युवाओं के नाम पत्रों की श्रृंखला लिखी।



मेरे युवा मित्रों,  
आपको देश में शून्य बेरोजगारी,  
शून्य गरीबी, शून्य कुपोषण, शून्य  
मुकदमेंबाजी और साफ सुथरे  
हरे भरे गांवों के सपने को सच  
करके दिखाना है।